

[Shri Jagdish Tytler]

False figures with false employee records are being maintained to avoid income-tax, and it is high time that the Government instituted a Committee to look into the affairs of these groups of works and mills. I think that it would be a correct step to call in the C. B. I. and the income-tax authorities to make a quick and factual assessment of the whole situation under the vigilant eyes of a Government Committee.

It is urgent that this should be done to stop harrassment to the workers.

(x) FAST BY LEADER OF HARIJAN
MUKTI MORCHA

श्री राम विनास पासवान (हाजीपुर) : हरिजन मुक्ति मोर्चा के संयोजक विगत 11 अप्रैल से हरिजनों की समस्या को लेकर आमरण अनशन पर हैं। सरकार द्वारा उनकी मांगों को मानना तो दूर रहा, कोई पूछने तक नहीं गया है। यह उपेक्षापूर्ण नीति का द्योतक है। उन्होंने आमरण अनशन पर जाने के पूर्व प्रधान मंत्री, गृह मंत्री तथा अन्य अधिकारियों को भी सूचित किया था।

उनकी स्थिति चिन्ताजनक है। मैं स्वयं कल उन से मिला हूँ। कई संसद् सदस्यों ने भी गृह मंत्री एवं गृह राज्य मंत्री को पत्र लिख कर उन के अनशन को खत्म करवाने का आग्रह किया है।

यदि अविलम्ब सरकार ने हस्तक्षेप कर उनके अनशन को खत्म नहीं करवाया तो उनके जीवन पर खतरा उत्पन्न हो सकता है।

अतः सरकार से मांग है कि सरकार इसे गम्भीरता से ले तथा एक हरिजन कार्यकर्ता के जीवन की रक्षा करें।

(vi) INQUIRY INTO ALLEGED RECOVERY
OF CONTRABAND GOODS FROM A HOTEL IN
KANPUR

श्री छोटे सिंह यादव (कन्नौज) : उत्तर प्रदेश के कन्नपुर स्थित केन्द्रीय आवक-कारी विभाग ने पिछले दिनों एक होटल पर छापा मार कर कर, डों रुपये की भ्रष्टाचार,

मांजा एवं बिदेसी शराब बरामद की तथा कई व्यक्तियों की गिरफ्तारी भी हुई। यह हॉटल बनने से पहले एक मुर्गीपालन केन्द्र था। इस मुर्गीपालन केन्द्र को सरकारी ऋण पर खोला गया था और कुछ समय बाद ही हॉटल के रूप में परिवर्तित हो गया। यहाँ से भ्रष्टाचार पदार्थों की खुल कर तस्करी की जाती है तथा काफी प्रभावशाली व्यक्तियों को उस तस्करी के पीछे हाथ है। छापाकारी में काफी मात्रा में भ्रष्टाचार, मांजा एवं शराब बरामद करने के बाद आवकारी विभाग पर मामले उठाने अथवा रफा दफा करने हेतु दबाव डाला जा रहा है।

अतः सरकार से मांग है कि इससे सरकार गम्भीरता से ले और इस में दक्षी व्यक्तियों एवं पदाधिकारियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करे। साथ ही इस मामले की जांच सी बी आई द्वारा कराई जाए।

12.39 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS, 1981-82
—Contd.

Ministry of Home Affairs—Contd.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House will now take up further discussion and voting on Demands Nos. 47 to 57 relating to the Ministry of Home Affairs which can be discussed till 6.00 p.m. only when guillotine will take place

Now, I call upon Mr. Dhandapani to speak.

SHRI C. T. DHANDAPANI: (Pollachi): I rise to support the report submitted

SHRI RAM VILAS PASWAN: (Hajipur): Support? Then I go.

SHRI C. T. DHANDAPANI: —by the Ministry of Home Affairs. The report itself has explicitly stated about the law and order problem which has existed now. Even though it has deteriorated, the fact has been revealed without any concealment. That is the reason why I support it. Our BJP Member also yesterday has stated that during the Janata rule